ISSN : 0435-1460
UGC Care List No. 25

के.हि.सं. गवेषणा

अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषाशिक्षण तथा साहित्य चिंतन की त्रैमासिक शोध - पत्रिका

अंक-121 : आषाढ़-भाद्रपद, 2077 / जुलाई-सितंबर, 2020

हिंदी भाषा
हिंदी साहित्य
हिंदी भाषा विज्ञान
हिंदी भाषा शिक्षण
हिंदी शोध संदर्भ
हिंदी भाषा अनुशीलन
हिंदी साहित्य चिंतन
भाषिक विश्लेषण
भाषिक अनुप्रयोग
साहित्यिक विवेचना
प्रयोजनमूलक हिंदी
हिंदी भाषा शैली
प्रयुक्तिपरक हिंदी
हिंदी भाषा संरचना
हिंदी व्याकरण
हिंदी भाषा व्यवहार
समाज भाषा हिंदी
मीमांसा टीका
भाषिक विमर्श

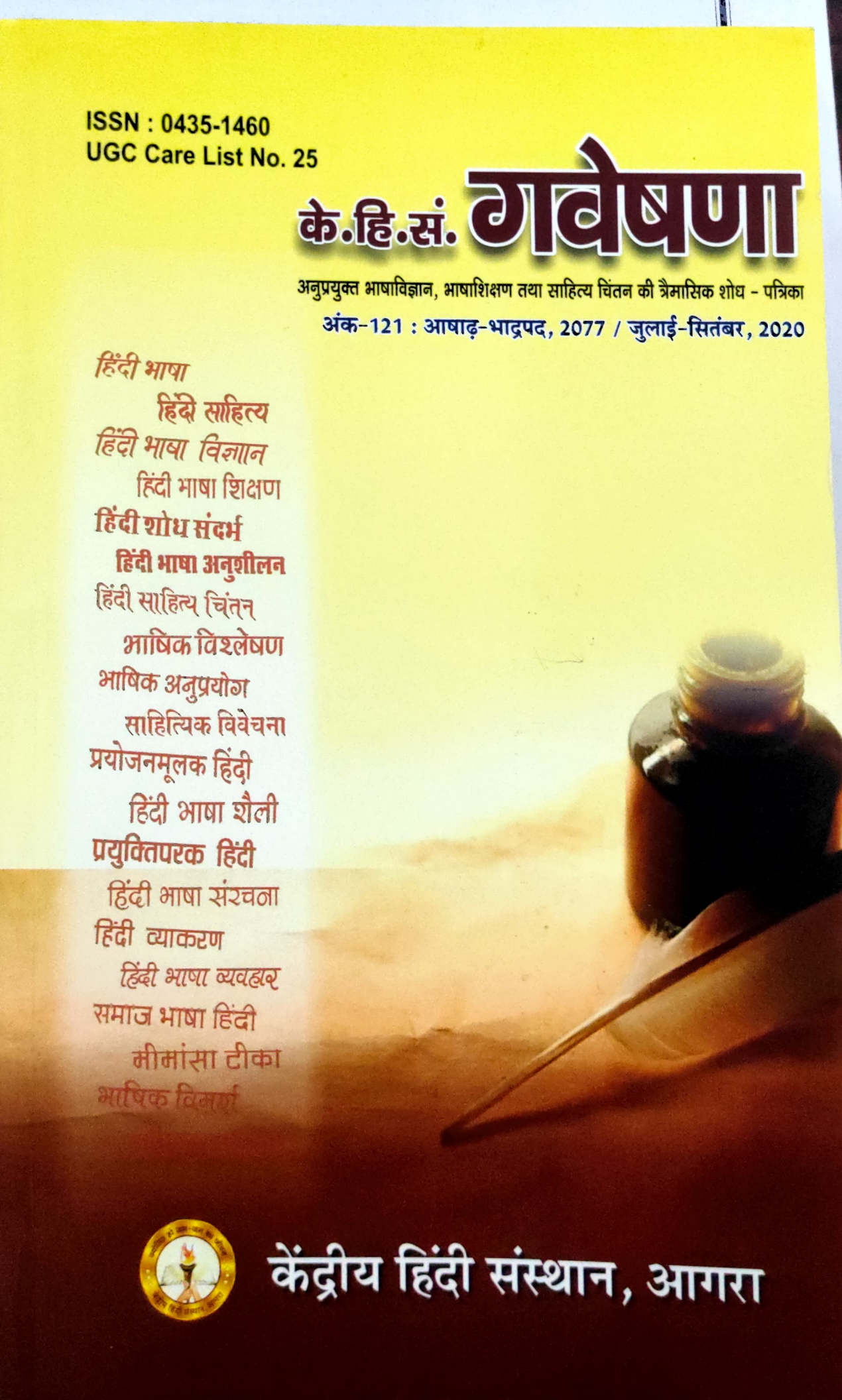

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

भाषा एवं साहित्य की विरासत के कवि खुसरो

—संगीता मौर्य

साहित्य की भूमिका इतिहास के समान ही विस्तृत उद्देश्य लिए हुए होती है। साहित्य का संबंध केवल सामाजिक मूल्यों के ग्रहण करने से ही नहीं है बल्कि उसका काम तो यह भी है कि वह अपने समय और समाज के यथार्थ से कितना गहरे रूप से जुड़ा है। साथ ही उसका संबंध जितना वर्तमान से होता है उतना ही अतीत की यथार्थ परक घटनाओं एवं परिस्थितियों से भी। इस प्रकार सामकालीन समाज, धर्म एवं संस्कृति के अध्ययन की दृष्टि से साहित्य का इतिहास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तो वहीं भाषा एवं साहित्य की दृष्टि से उसके महत्व को गहरे रूप से समझा जा सकता है।

यह महज इत्तेफाक नहीं हो सकता कि हिंदी साहित्य का पहला इतिहास एक विदेशी (फ्रांसीसी) "गार्सां द तासी" लिख रहा है। यह उसका "हिंदी" और "उर्दू" यानी "हिंदुस्तानी" प्रेम ही था जिसने उससे बड़ा काम करवा लिया। इस रूप में हिंदुस्तानी कवि अमीर खुसरो का अपनी भाषा और संस्कृति से लगाव होना लाजिमी है। खुसरो के बचपन का नाम अबुल हसन था। जलालुद्दीन फिरोज खिलजी ने इनकी कविता पर प्रसन्न होकर इन्हें "अमीर" की उपाधि से नवाजा था, तब से खुसरो का नाम "मलिकुश्शोअरा अमीर खुसरो" पड़ गया और आगे चलकर अबुल हसन अपने उपनाम "अमीर खुसरो" के नाम से ही प्रसिद्ध हुए। अमीर खुसरो के जन्म के संबंध में तमाम विवाद हैं ब्रजरत्न दास अपनी पुस्तक 'खुसरो की हिंदी कविता' में इनका जन्म पटयाली मानते हैं और प्रसिद्ध भाषावैज्ञानिक भोलानाथ तिवारी अपनी पुस्तक "अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य" में खुसरो का जन्म सन् 1253-54 ई. के आस-पास दिल्ली में होना बताते हैं। इनका मानना है कि अमीर खुसरो का जो समय है उस समय में पटयाली बिल्कुल उजाड़ था। वहाँ न बादशाही किला था और न बस्ती। आस-पास के आसी राजपूतों को दबाने के लिए किला बाद में बना और तभी से बस्ती भी बसी।" खुसरो के पिता की ऐसी हैसियत थी, इस हिसाब से यहाँ रहने की कोई तुक नहीं बनती। खुसरो के नाना दिल्ली के थे। खुसरो अपनी माँ की पहली संतान थे इसलिए यह माना जा सकता है कि इनका जन्म अपने नाना के यहाँ दिल्ली में हुआ हो। अमीर खुसरो अपनी पुस्तक का नाम "अमीर खुसरो देहलवी : हयात

लोक-कला, पहेली, मुकरियों आदि की तरफ हमारा ध्यान ले जाता है उसको केवल जनता के मनोरंजन की चीज मान लेना कहाँ तक उचित है। शुरू में ही मैंने गार्सा-द तासी का नाम लिया है वह अकारण ही नहीं है क्योंकि कोई बाहरी आकर हमें यह बताता है कि जो तुम्हारी धरोहर है उसको संरक्षित करो। आज हम कह सकते हैं कि विद्यापति जिसके वे हकदार थे उसको प्राप्त किया लेकिन हिंदी का इतना बड़ा कवि खुसरो जिसकी सुध आज भी कम ही लोगों को है। इसकी ओर हमें अपना ध्यान ले जाने की जरुरत है।

संदर्भ

1. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य - डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली संस्करण-2004
2. kavitakosh.org अमीर खुसरो
3. वही,
4. वही,
5. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज संस्करण-2019 पृ. 449
6. kavitakosh.org अमीर खुसरो
7. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली संस्करण 2008 पृ. 56
8. वही पृ. 58,
9. वही, पृ. 58
10. हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास-उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद PGHI-4 पृ. 85
11. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज संस्करण-2019, पृ. 449
12. वही,
13. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा, संस्करण-2005 kavitakosh.org अमीर खुसरो
14. kavitakosh.org,
15. वही,

16. राममनोहर लोहिया रचनावली,भाग-8,संपादक मस्तराम कपूर, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स दिल्ली, प्रथम संस्करण 2008, पृ. 415-416
17. महात्मा गांधी के विचार, संपा. आर.के. प्रभु, यू आर.राव, नेशनल बुकट्रस्ट, इंडिया, आठवीं आवृत्ति, 2011, पृ. 369
18. भारतमाता धरती माता - राममनोहर लोहिया, लोकभारती प्रकाशन प्रयागराज, संस्करण 2019, पृ. 169
19. kavitakosh.org अमीर खुसरो
20. वही,
21. वही,
22. वही,
23. वही,
24. हिंदी साहित्य का इतिहास-संपा. डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा संस्करण-2005, पृ. 78
25. kavitakosh.org अमीर खुसरो

❑❑